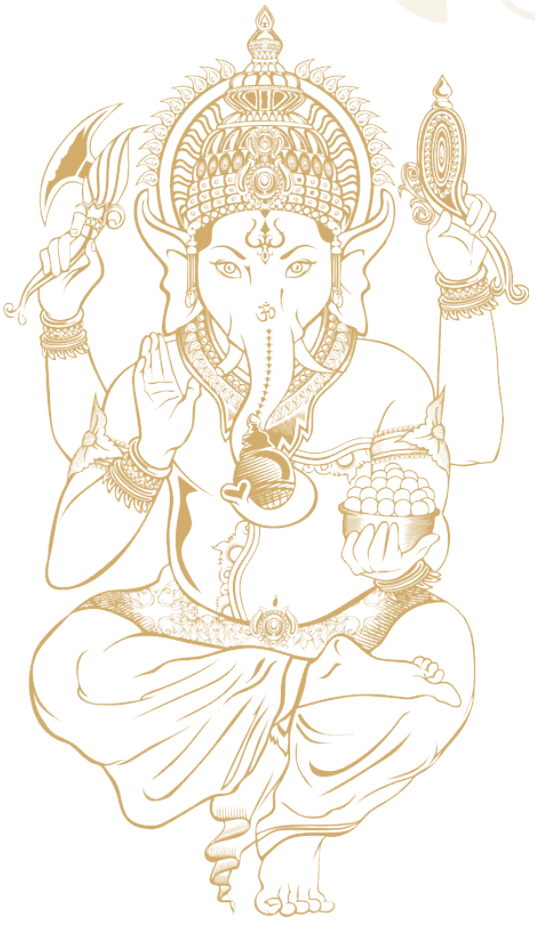

Ashish

Nikita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121432104

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/06/1991	जन्म तिथि	17/12/1994
बुधवार	दिन	शनिवार
घंटे 23:00:00	जन्म समय	12:37:00 घंटे
घटी 44:07:23	जन्म समय(घटी)	13:39:59 घटी
India	देश	India
Shamli	स्थान	Saharanpur
29:27:00 उत्तर	अक्षांश	29:58:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	77:33:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:21:02	सूर्योदय	07:09:11
19:17:30	सूर्यास्त	17:22:26
23:44:30	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:23

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 13वर्ष 10मा 6दि	16:57:39	मक	लग्न	मीन	06:11:24	चन्द्र 0वर्ष 6मा 24दि
बुध	20:48:51	वृष	सूर्य	धनु	01:19:19	गुरु
12/04/2024	21:47:24	कुंभ	चंद्र	वृष	22:34:35	12/07/2020
12/04/2041	12:15:50	कर्क	मंगल	सिंह	07:13:55	12/07/2036
बुध 08/09/2026	07:29:15	वृष	बुध	धनु	03:05:27	गुरु 30/08/2022
केतु 05/09/2027	16:01:07	कर्क	गुरु	वृश्चि	07:53:46	शनि 12/03/2025
शुक्र 06/07/2030	05:55:54	कर्क	शुक्र	तुला	18:02:30	बुध 18/06/2027
सूर्य 13/05/2031	12:47:40	मक व	शनि	कुंभ	13:07:18	केतु 24/05/2028
चन्द्र 11/10/2032	25:42:31	धनु व	राहु व	तुला	20:31:20	शुक्र 23/01/2031
मंगल 08/10/2033	25:42:31	मिथु व	केतु व	मेष	20:31:20	सूर्य 11/11/2031
राहु 27/04/2036	19:10:45	धनु व	हर्ष	मक	00:51:55	चन्द्र 12/03/2033
गुरु 03/08/2038	22:27:19	धनु व	नेप	धनु	28:14:52	मंगल 16/02/2034
शनि 12/04/2041	24:32:14	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	05:13:20	राहु 12/07/2036

लग्न-चलित

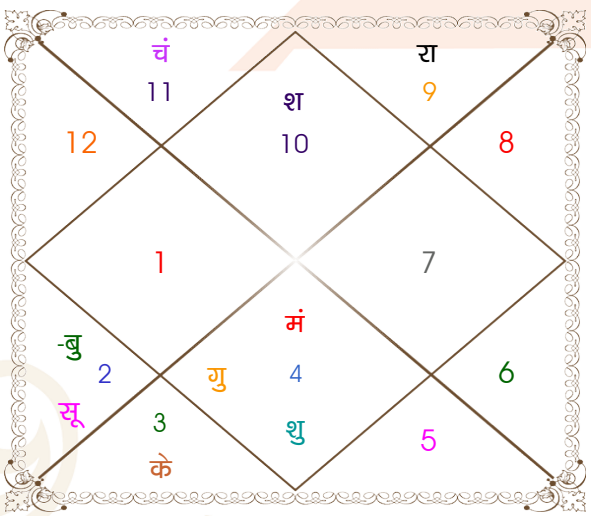

लग्न-चलित

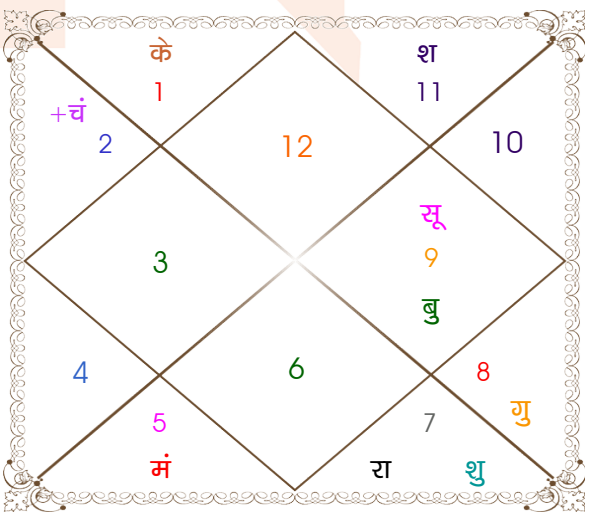

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.50		

Ashish का वर्ग मेष है तथा Nikita का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ashish और Nikita का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Ashish मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Ashish कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सबले गुरौ भृगौ वा लग्ने द्यूनेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात यदि बली गुरु और शुक्र स्वराशि या उच्च होकर लग्न या सप्तम भाव में हों तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि गुरु और शुक्र Ashish कि कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ashish कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।

न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ashish कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Nikita मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Nikita कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Ashish तथा Nikita में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।